वन उत्पादकता संस्थान, रांची

वन विज्ञान केंद्र के अंतर्गत "लाह की खेती द्वारा आजीविका सृजन" विषय पर वन प्रशिक्षण विद्यालय महिलौंग में दिनांक 03.02.2020 को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

निदेशक वन उत्पादकता संस्थान रांची के सक्रिय पहल एवं समूह समन्वयक अनुसंधान के सफल मार्गदर्शन में दिनांक 03.02.2020 को वन विज्ञान केंद्र के तहत "लाह की खेती द्वारा आजीविका सृजन" विषय पर वन प्रशिक्षण विद्यालय महिलौंग में वन उत्पादकता संस्थान द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित की गई जिसमे वन समिति सदस्य हजारीबाग, रंका (गढ़वा), शक्ति महिला समिति सदस्य महिलौंग, किसान एवं विद्यार्थी महिलौंग सहित कुल 32 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण में भाग लिया।

प्रशिक्षण की शुरूआत करते हुए श्री बी.डी. पंडित, तकनीकी अधिकारी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए लाह खेती की आवश्यकता, आजीविका सृजन में लाह के योगदान, लाह की खेती, वन वर्धन तथा पर्यावरण के एक दूसरे से संबंध आदि विषयों पर विस्तार से बताया। इन्होने बताया कि लाह की खेती अन्य खेती की तुलना में इसलिए फायदेमंद है कि इससे कभी भी आमदनी प्राप्त की जा सकती है जबकि अन्य फसल पकने अथवा एक निश्चित अवधि के बाद ही आमदनी देते हैं साथ ही साथ इसमे कम खर्च एवं कम मेहनत से अधिक लाभ लिया जा सकता है। सेमियालता पर खेती के आर्थिक पहलू को भी बताया तथा विभिन्न उपयोगों को रेखांकित किया।

श्री एस.एन. वैध्य मु.त.अ. ने लाह की खेती के विभिन्न प्रक्रिया को विस्तार से समझाया तथा अन्य पोषक वृक्षों के अलावा फ्लेमेंजिया सेमियालता पर लाह की खेती कर लाभ कमाने का सुझाव दिया तथा महिला की सहभागिता को प्रस्तुत किया। दुश्मन कीट प्रबंधन के उपायों को बताते हुए इसके उपयोग कल में आवश्यक सावधानियों को भी समझाया।
श्री सूरज कुमार तकनीकी सहायक ने लाह की खेती में काम आने वाले उपकरणों के विषय में बताया।

कार्यक्रम समापन के पूर्व सती कुमारी, जीवलाल महतो एवं नीतु कुमारी द्वारा पूछे गए सवालों का श्री बी.डी. पंडित ने सरल भाषा में संतोषप्रद उत्तर दिया एवं कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की।
कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थान के विस्तार प्रभाग के श्री एस.एन.वैध्य, श्री बी.डी.पंडित एवं श्री सूरज कुमार का सराहनीय योगदान रहा।

वन उत्पादकता संस्थान, रांची